# मेवाड़ विश्वविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन

**चित्तौड़गढ़/गंगरार( अमित कुमार चेचानी )।** मेवाड़ विश्वविद्यालय में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे कि गेट, ढ्ढश्वस्र आदि के बारे में जानकारी दी गई। सेमिनार के मुख्य वक्ता श्री सुनील तिवारी थे जो कि वर्तमान में भारत के अग्रणी कोचिंग संस्थान 'मेड ईजी' में विभाग अध्यक्ष है। उन्होंने छात्रों को अपना लक्ष्य निर्धारित करने हेतु प्रेरित किया, साथ ही उन्होंने श्री राम, श्री कृष्ण, सन्त श्री तुलसीदास, महर्षि पाणीनि जैसे महापुरुषों के उदाहरण देकर यह बताया कि किस प्रकार अभ्यास एवं दृढ़ निश्चय के द्वारा कठिन से कठिन लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। श्री सुनील तिवारी ने भारत सरकार में प्रसार भारती की नौकरी को छोड़ कर शिक्षण को चुना है और वह बाल्यकाल से ही महाराणा प्रताप से प्रभावित रहे है।

सेमिनार के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का निराकरण भी किया। कार्यक्रम का संचालन माइनिंग विभाग अध्यक्ष डॉ. गंगा बिस्वा ने किया। अंत में डिप्टी डीन इंजीनियरिंग श्री कपिल नाहर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर मेड इजी की तरफ से श्री समर नायर, श्री पंकज सिंह, श्री संजय नारंग मौजूद रहे तथा मेवाड़ विश्वविद्यालय के डॉ. ईसार अहमद, श्री बच्चालाल पाल, श्री दीपक जोशी, श्री गौरव शर्मा आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान किया।

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन

**जयपुर मिड-डे टाइम्स**

**चित्तौड़गढ़/गंगरार( अमित कुमार चेचानी)।** मेवाड़ विश्वविद्यालय में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे कि गेट, ढ्ढश्वस् आदि के बारे में जानकारी दी गई। सेमिनार के मुख्य वक्ता श्री सुनील तिवारी थे जो कि वर्तमान में भारत के अग्रणी कोचिंग संस्थान 'मेड ईजी' में विभाग अध्यक्ष है। उन्होंने छात्रों को अपना लक्ष्य निर्धारित करने हेतु प्रेरित किया, साथ ही उन्होंने श्री राम, श्री कृष्ण, सन्त श्री तुलसीदास, महर्षि पाणीनि जैसे महापुरुषों के उदाहरण देकर यह बताया कि किस प्रकार अभ्यास एवं दृढ़ निश्चय के द्वारा कठिन से कठिन लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। श्री सुनील तिवारी ने भारत सरकार में प्रसार भारती की नौकरी को छोड़ कर शिक्षण को चुना है और वह बाल्यकाल से ही महाराणा प्रताप से प्रभावित रहे है। सेमिनार के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का निराकरण भी किया। कार्यक्रम का संचालन माइनिंग विभाग अध्यक्ष डॉ. गंगा बिस्वा ने किया। अंत में डिप्टी डीन इंजीनियरिंग श्री कपिल नाहर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर मेड इजी की तरफ से श्री समर नायर, श्री पंकज सिंह, श्री संजय नारंग मौजूद रहे तथा मेवाड़ विश्वविद्यालय के डॉ. ईसार अहमद, श्री बच्चालाल पाल, श्री दीपक जोशी, श्री गौरव शर्मा आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान किया।

**इग्नू में छात्र 31 तक कर सकेंगे आवेदन :** श्रीनाथजी इंस्टिट्यूट ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट उपलि ओडन स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र समन्वयक डॉ. दीप्ति भार्गव ने बताया की इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नयी दिल्ली ने जनवरी प्रवेश सत्र की प्रक्रिया शुरू कर दी हैं ।आवेदन ऑनलाइन होंगे ।अध्ययन केंद्र समन्वयक ने बताया की प्रवेश सत्र में विभिन्न स्नातक कार्यक्रम (बी.ए,बी.कॉम,लाइब्रेरी साइंस,बी.एस.डब्लू), स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.ए, एम.कॉम,एम एस.डब्लू), डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कार्यक्रम जैसे लाइब्रेरी साइंस, ग्रामीण विकास, पंचायत सत्र प्रशासन, सूचना प्रौध्योगिकी, महिला सशक्तिकरण, आंगनवाड़ी, पर्यटन अध्ययन आदि में प्रवेश ले सकते हैं।

# 'मेवाड़ विश्वविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन'

राजस्थान दर्शन

**चित्तौड़गढ़/गंगरार( अमित कुमार चेचानी)।** मेवाड़ विश्वविद्यालय में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे कि गेट, द्धश्चस् आदि के बारे में जानकारी दी गई। सेमिनार के मुख्य वक्ता श्री सुनील तिवारी थे जो कि वर्तमान में भारत के अग्रणी कोचिंग संस्थान 'मेड ईजी' में विभाग अध्यक्ष है। उन्होंने छात्रों को अपना लक्ष्य निर्धारित करने हेतु प्रेरित किया, साथ ही उन्होंने श्री राम, श्री कृष्ण, सन्त श्री तुलसीदास, महर्षि पाणीनि जैसे महापुरुषों के उदाहरण देकर यह बताया कि किस प्रकार अभ्यास एवं दृढ़ निश्चय के द्वारा कठिन से कठिन लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। श्री सुनील तिवारी ने भारत सरकार में प्रसार भारती की नौकरी को छोड़ कर शिक्षण को चुना है और वह बाल्यकाल से ही महाराणा प्रताप से प्रभावित रहे है। सेमिनार के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का निराकरण भी किया। कार्यक्रम का संचालन माइनिंग विभाग अध्यक्ष डॉ. गंगा बिस्वा ने किया। अंत में डिप्टी डीन इंजीनियरिंग श्री कपिल नाहर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर मेड इजी (रूड्डस्रद्ग श्वड्ड) की तरफ से श्री समर नायर, श्री पंकज सिंह, श्री संजय नारंग मौजूद रहे तथा मेवाड़ विश्वविद्यालय के डॉ. ईसार अहमद, श्री बच्चालाल पाल, श्री दीपक जोशी, श्री गौरव शर्मा आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान किया

# प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर किया मार्गदर्शन

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में जानकारी दी गई। सेमिनार के मुख्य वक्ता सुनील तिवारी ने छात्रों को अपना लक्ष्य निर्धारित करने हेतु प्रेरित किया। अंत में उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का निराकरण भी किया। संचालन माइनिंग विभाग अध्यक्ष डॉ. गंगा बिस्वा ने किया। कपिल नाहर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन

जयपुर मिड-डे टाइम्स

**चित्तौड़गढ़/गंगरार(अमित कुमार चेचानी)।** मेवाड़ विश्वविद्यालय में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे कि गेट, ढ्ढश्वस् आदि के बारे में जानकारी दी गई। सेमिनार के मुख्य वक्ता श्री सुनील तिवारी थे जो कि वर्तमान में भारत के अग्रणी कोचिंग संस्थान 'मेड ईजी' में विभाग अध्यक्ष है। उन्होंने छात्रों को अपना लक्ष्य निर्धारित करने हेतु प्रेरित किया, साथ ही उन्होंने श्री राम, श्री कृष्ण, सन्त श्री तुलसीदास, महर्षि पाणीनि जैसे महापुरुषों के उदाहरण देकर यह बताया कि किस प्रकार अभ्यास एवं दृढ़ निश्चय के द्वारा कठिन से कठिन लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। श्री सुनील तिवारी ने भारत सरकार में प्रसार भारती की नौकरी को छोड़ कर शिक्षण को चुना है और वह बाल्यकाल से ही महाराणा प्रताप से प्रभावित रहे है। सेमिनार के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का निराकरण भी किया। कार्यक्रम का संचालन माइनिंग विभाग अध्यक्ष डॉ. गंगा बिस्वा ने किया। अंत में डिप्टी डीन इंजीनियरिंग श्री कपिल नाहर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर मेड इजी की तरफ से श्री समर नायर, श्री पंकज सिंह, श्री संजय नारंग मौजूद रहे तथा मेवाड़ विश्वविद्यालय के डॉ. ईसार अहमद, श्री बच्चालाल पाल, श्री दीपक जोशी, श्री गौरव शर्मा आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान किया।